Result Mitra Daily Magazine

ईस्टर्न इक्वाइन इंसेफेलाइटिस

✓ हालिया संदर्भ :

- दुर्लभ और घातक मच्छर-जनित वायरस ईस्टर्न इक्वाइन इंसेफेलाइटिस (EEE) के प्रभाव से अमेरिकी शहर मैसाचुसेट्स में कई प्रकार के बाहरी गतिविधियों को प्रतिबंधित करना पडा है।
- मैसाचुसेट्स के कई क्षेत्रों में कई समुदायों को EEE के लिये गंभीर जोखिम संभावितों के प्रति सुभेद्य पाया गया है, क्योंकि ऐसे क्षेत्रों में मच्छरों में वायरस के सकरात्मक लक्षण पाए गए हैं।

✓ EEE का मामला :

- USA के मैसाचुसेट्स में 2000 के बाद EEE का पहला मानव मामला दर्ज किया गया है।
- इससे पूर्व शहर में घोडे में भी वायरस का संक्रमण पाया गया, जिससे शहर में जोखिम का स्तर और बढ गया है।
- यह संक्रमण बेहद खतरनाक होता है, क्योंकि न केवल इसमें मृत्युदर 33-70% के बीच है, बल्कि इसका न तो कोई उपचार है और न ही कोई वैक्सीन।
- बढते जोखिम को देखते हुए, मच्छरों के नियंत्रण के उद्देश्य से कीटनाशक एनविल 10+10 का दवाई छिडकाव किया जा रहा है।
- यह एक दुर्लभ संक्रमण है और यही कारण है कि उच्च जोखिम के बावजूद सालाना केवल 11 मामले ही USA में दर्ज किए जाते हैं।

✓ EEE :

- यह एक जूनोटिक मच्छर-वेक्टर टोगावायरस के कारण होता है, जो उत्तर, मध्य एवं दक्षिण कोरिया एवं कैरिबियन क्षेत्रों में पाया जाता है।
- इसे 'स्लीपिंग सिकनेस' (अफ्रीकी ट्रिपैनोसिमियासिस से अलग) के नाम से भी जाना जाता है।
- इसका पहला मामला USA में 1831 में सामने आया था, जब 75 घोडों की मौत इस वायरस से हो गई थी।
- यह RNA-Virus प्रकार का संक्रमण है।
- यह ज्यादा घातक इसलिए भी होता है क्योंकि इसके कोई विशिष्ट लक्षण नहीं होते है। इसके लक्षण सामान्य संक्रमणों जैसे होते हैं, जिसमें बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दौरा पडना आदि शामिल है।
- 16 वर्ष से कम एवं 50 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों के लिये यह ज्यादा घातक होता है।
- इस संक्रमण से बच जाने वाले लोगों में दीर्घकालिक न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है।
- संक्रमण की जाँच के लिये सामान्यतः 2 Test किए जाते हैं :-
  1. Cerebral Spinal Fluid
  2. Brain Tissue Examination

- यह वायरस (EEE) वेजुजुएलन इक्वाइन इंसेफेलाइटिस एवं वेस्टर्न इक्वाइन इंसेफेलाइटिस से निकटता रखता है।

✓ जूनोसिस एवं जूनोटिक संक्रमण :

- यह रोग संक्रामक प्रवृत्ति का होता है, जो वायरस, जीवाणु या अन्य किसी वेक्टर से मानव में तथा मानव से जानवरों में एवं जानवरों से मानवों में फैल सकता है।
- इबोला एवं साल्मोनेलोसिस जूनोटिक बीमारी के उदाहरण है।
- HIV-AIDS भी पूर्व में जूनोटिक बीमारी था, जो बंदरों से इंसान में फैला लेकिन अब यह केवल मानव से मानव में ही फैलता है।
- बर्ड फ्लू (H5N2) एवं स्वाइन फ्लू (H1N1) भी जूनोटिक बीमारी ही है, जो मानवों में क्रमशः पक्षियों एवं सूअरों से फैलता है।

Result Mitra TM